www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–06 जून –2024

CONTENTS

- फल फसलों की लेबलिंग P. 2
- आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला P. 2
- प्लेसमेंट सेल P. 3
- लीची विविधता शो-2024 P. 3
- 16वीं अनुसंधान परिषद बैठक P. 4
- IoT डिवाइस P.5
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

मुझे जून 2024 के लिए ई-न्यूजलैटर प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है, जिस में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया है, जिससे हमारे विश्वविद्यालय के कार्य प्रणाली को नया आकार मिला है। इस माह कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। 16वीं विशेष अनुसंधान परिषद की बैठक, मैनेज (MANAGE) के साथ साझेदारी में 'कृषि-विपणन में आजीविका के अवसर' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 'लेखक प्रोफाइल पंजीकरण और आईआरआईएनएस (IRINS) के माध्यम से वैज्ञानिक दृश्यता' पर संवेदीकरण कार्यशाला और लीची विविधता शो इनमें से कुछ प्रमुख हैं, शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार में उत्कृष्टता के लिए ये कार्यक्रम हमारे अटूट समर्पण, प्रभावी टीमवर्क एवं मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

महीने की शुरुआत 16वीं अनुसंधान परिषद की विशेष बैठक के साथ हुई। इस में 74 नए शोध परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा की गई। इस बैठक में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल हुए, जिनमें डॉ विनोद कुमार, पूर्व प्रोफेसर और प्रमुख, सस्य विज्ञान, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा; डॉ यू. डी. सिंह, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक (पादप- रोगविज्ञान), भा.कृ.अनु.प. -भा.कृ.अनु.स., नई दिल्ली; डॉ इंदु शेखर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक और प्रमुख, भा.कृ.अनु.प. -भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा; डॉ एमडी मोनोब्रुल्लाह, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि कीट विज्ञान), भा.कृ.अनु.प.. -अटारी, पटना; डॉ लिपी दास, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार), भा.कृ.अनु.प. केंद्रीय कृषिरत महिला संस्थान (सीआईडब्ल्यूए), भुवनेश्वर; डॉ विकास दास, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर; और डॉ. वेद प्रकाश सैनी, डीन, मत्स्यकी महाविद्यालय, (बीएएसयू), किशनगंज, बिहार ने अंतिम प्रस्तुति से पहले इन प्रस्तावों को परिष्कृत करने के लिए बहुमूल्य सुझाव प्रदान किए।

रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने मैनेज (MANAGE) के साथ मिलकर दिनांक 20 से 22 मई, 2024 के दौरान "कृषि-विपणन में आजीविका के अवसर" शीर्षक से एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को कृषि विपणन में आवश्यक कौशल और ज्ञान से परिपूर्ण करना था, ताकि वे कृषि क्षेत्र में प्रभावी रूप से योगदान करने के लिए सशक्त बन सकें।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने दिनांक 8 से 24 मई, 2024 के दौरान संकायों और शोध विद्वानों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत गूगल स्कॉलर, ऑर्किड, स्कोपस, वेब ऑफ साइंस और विद्वान (IRINS) डेटाबेस जैसे विभिन्न शोध प्लेटफार्मों पर "रिसर्च मैट्रिक्स एंड विजिबिलिटी और "ऑथर प्रोफाइल रजिस्ट्रेशन" पर दो घंटे की कार्यशाला के 9 अलग-अलग सत्र आयोजित किए। कार्यशाला, "ऑथर प्रोफाइल और साइंटिफिक विजिबिलिटी" पर केंद्रित थी, जिसका मुख्य उद्देश्य लेखकों की ऑथर प्रोफाइल की समझ को बढ़ाना और प्रमुख शोध डेटाबेस के माध्यम से साइंटिफिक विजिबिलिटी बढ़ाना था। 177 वैज्ञानिकों की सक्रिय भागीदारी और उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया से कार्यक्रम सफल रहा।

महीने का समापन 30 मई 2024 को बहुप्रतीक्षित लीची विविधता शो-2024 के साथ हुआ, जिसमें डॉ. एन.के. कृष्ण कुमार, पूर्व उप महानिदेशक (बागवानी), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली, डॉ. पी.के. राय, पूर्व प्राध्यापक (बागवानी), आरएयू, पूसा और डॉ. विकास दास, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर उपस्थित रहे। लीची शो में मुजफ्फरपुर, बिहार की शाही लीची की समृद्ध विविधता का वर्णन किया गया, जिसमें लीची की 20 से अधिक किस्मों को शामिल किया गया। उक्त अवसर पर लीची खाने की एक आकर्षक प्रतियोगिता सहित इसके मूल्यवर्धित उत्पादों को भी प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक प्रगति और क्षेत्रीय रणनीतियों के माध्यम से लीची उत्पादन को प्रोत्साहित करने पर चर्चा की गई।

मैं इन सभी पहलों की सफलता में शामिल लोगों के समर्पण और योगदान की सराहना करता हूँ। हमारे प्रयासों ने कृषि शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए हमारे विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है।

जय हिन्द !

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के छात्रों ने बागवानी के मूल पाठ्यक्रम के तहत निर्देशात्मक उद्यान के रूप में परिसर की 60 से अधिक व्यावसायिक फल फसलों की लेबलिंग की।** पौधों पर बुनियादी जानकारी के साथ-साथ क्यूआर कोड भी लगा है, जो स्कैन करने पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। छात्रों की इस व्यावहारिक गतिविधि का लाभ मिल रहा है। इस अभियान का दिलचस्प पहलु यह है कि निर्देशात्मक उद्यान में उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण तीनों श्रेणियों के फलों को शामिल किया गया।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के कृषि स्नातक के तीसरे सेमेस्टर के छात्र श्री अर्घा दास के अभिनव विचार को भारतीय तकनीकी संस्थान, मुंबई के द्वारा मान्यता दी गई है। ई-सेल में पंजीकृत 17000 स्टार्टअप प्रस्तावों से शीर्ष 450 स्टार्ट-अप में चुना गया।

➢ **डॉ. यू.पी. सिंह, अधिष्ठाता, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी** ने दिनांक 02-05-2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

➢ **कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा** के 03 शोध और 12 स्नातकोत्तर छात्रों ने बिहार लोक सेवा आयोग, कृषि सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण की है।

➢ **आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय व्याख्यान श्रृंखला** के तहत 22 मई, 2024 को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की पूर्व संध्या पर एक व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ किया गया। डॉ. सुनील पब्बी, पूर्व प्रमुख और प्राध्यापक, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, भा.कृ.अनु.स.-नई दिल्ली ने ऑनलाइन मोड के माध्यम से "ग्रीन माइक्रोबायोलॉजी: स्थिरता का एक तरीका" पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान में आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के सभी संकाय और छात्र शामिल हुए।

➢ **सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा:** डॉ. गीतांजलि चौधरी, सह प्राध्यापक -सह-वरिष्ठ वैज्ञानिक और डॉ. नीलम कुमारी, सहायक प्राध्यापक-सह-वैज्ञानिक, खाद्य विज्ञान और पोषण विभाग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय ने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बिरौली, समस्तीपुर के छात्रों के लिए पीएम श्री इंटर्नशिप विकास कार्यक्रम के तहत 08 और 10 अप्रैल, 2024 को दो कक्षाएं आयोजित कीं।

➢ **प्लेसमेंट सेल द्वारा स्नातक (सामुदायिक विज्ञान)** के 12 छात्र, एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय) के 01 छात्र और कृषि स्नातक के 04 छात्र (कुल 17 छात्र) को मई, 2024 के महीने में विभिन्न संगठनों (डोसा फिनकेयर प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता और पारादीप फॉस्फेट प्राइवेट लिमिटेड, भुवनेश्वर) में प्लेसमेंट कराया गया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **लीची विविधता शो-2024 का आयोजन:** बिहार में, विशेष रूप से मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जिलों में लीची की असाधारण स्वादिष्टता और मौजूदा विविधता का उत्सव भा.कृ.अनु.प. -राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के सहयोग से 30.04.2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में लीची विविधता शो-2024 के रूप में मनाया गया। रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना और भा.कृ.अनु. प.-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर ने लीची विविधता का प्रदर्शन किया । लीची के प्रसंस्कृत उत्पादों के साथ लगभग 40 लीची जीनोटाइप प्रदर्शित किए गए, जिसमे 25 किसानों के साथ साथ स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों ने भाग लिया। रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के सभी अधिष्ठाता, निदेशक और कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा के संकायों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के माननीय कुलपति ने की। इस अवसर पर भा.कृ.अनु. प. -राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. विकास दास तथा उनके वैज्ञानिक और भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के वैज्ञानिक प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। संकायों और छात्रों के बीच लीची खाने की प्रतियोगिता और लीची रंगोली, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही। मुख्य अतिथि की अध्यक्षता में एक तकनीकी विचार-मंथन सत्र भी आयोजित किया गया।

लीची विविधता शो में शोधकर्ताओं और प्रगतिशील किसानों ने अपने विचार व्यक्त किए।

➢ **कृषि में महिलाओं पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना :** 4 मई को न्यूट्री-स्मार्ट गांव के तहत कृषि में महिलाओं की सहभागिता विषय पर मुरौल ब्लॉक के पिलखी गजपति गांव में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 30 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को न्यूट्री-सीड्स (मूली, लौकी एफ1 हाइब्रिड, खीरा, स्पंज लौकी, सतपुतिया तुरई/झिंगी/, भिंडी, काशी कंचन लोबिया के बीज, करेला, एफ1 हाइब्रिड कद्दू के बीज, धनिया, लाल साग, हाइब्रिड मकई के बीज के साथ मौसमी फलों के बीज) भी वितरित किए गए।

➢ **16वीं अनुसंधान परिषद बैठक (विशेष)-2024,** 06 से 07 मई 2024 तक विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय की अध्यक्षता में नव प्रस्तुत विश्वविद्यालय-वित्त पोषित परियोजना प्रस्तावों पर चर्चा के लिए आयोजित की गई । पहले दिन, आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ. विनोद कुमार, पूर्व प्राध्यापक और प्रमुख, सस्य विज्ञान विभाग, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि, पूसा के साथ डॉ. इंदु शेखर सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक और प्रमुख भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा और डॉ. वेद प्रकाश सैनी, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, किशनगंज, विशेषज्ञ के रूप में। दूसरे दिन, डॉ. लिपि दास, प्रधान वैज्ञानिक (कृषि प्रसार), भा.कृ.अनु.प-केंद्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा, ऑनलाइन शामिल हुए, साथ ही डॉ. विकास दास, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. -राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र , डॉ. यू.डी. सिंह, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक, (पौधा रोग विभाग), भा.कृ.अनु.स., नई दिल्ली, और डॉ. एमडी मोनोब्रुल्लाह, प्रधान वैज्ञानिक, कृषि कीट विज्ञान, भा.कृ.अनु.प. -कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, अनुसंधान संस्थान पटना, ने परियोजना प्रस्तावों को आकार देने के लिए अमूल्य सुझाव प्रदान करने वाले विशेषज्ञ के रूप में शामिल हुए।

➢ **सोलहवीं अनुसंधान परिषद** की विशेष बैठक में विश्वविद्यालय की विभिन्न विषयों में कुल 74 नए प्रोजेक्ट प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें पशु एवं मत्स्य विज्ञान – 10, कृषि विज्ञान – 16, मृदा विज्ञान – 11, सामुदायिक विज्ञान – 10, बागवानी – 02, कीट विज्ञान – 13, तथा पादप रोग विज्ञान एवं सूत्रकृमि विज्ञान – 12 शामिल हैं। दो दिवसीय गहन बैठक के दौरान,

52 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, तथा शेष को सुझाए गए संशोधनों को शामिल करते हुए पुनः प्रस्तुत करने की सलाह दी गई।

➢ **पीएफडीसी परियोजना** के तहत कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय समिति पर परिशुद्धता कृषि और बागवानी (एनसीपीएएच), कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजना के तहत वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोपोनिक्स और एरोपोनिक्स के लिए विभिन्न प्रकार की सब्जियों और बागवानी पौधों को समायोजित करने के लिए फ्रेमयुक्त संरचनाएं एक प्लेहाउस में स्थापित की गई , जिसकी लागत 11.55 लाख रुपये है।

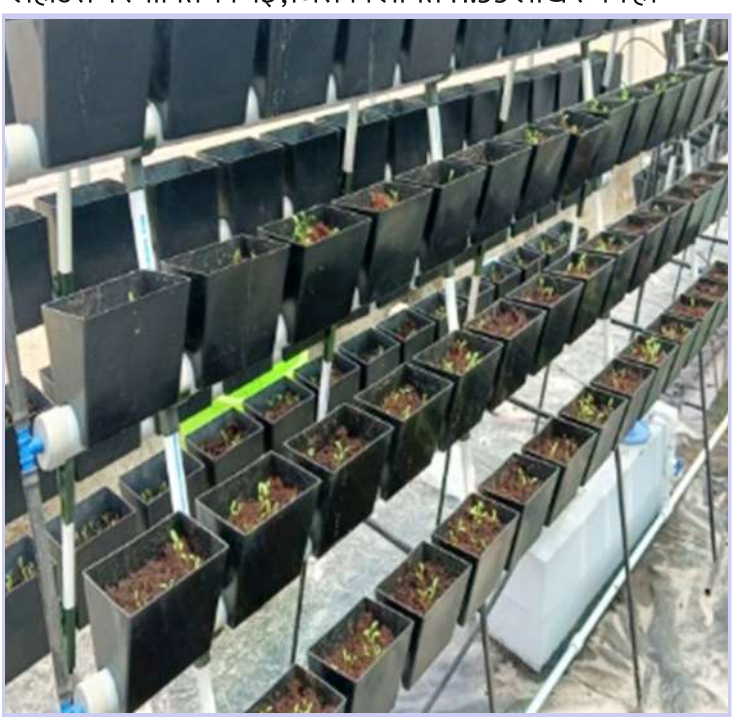

➢ **ऊर्ध्वाधर कृषि प्रणाली परियोजना के डिजिटल कृषि घटक के अंतर्गत, किसान के खेत (श्री संजय कुमार, गांव: कोठिया, समस्तीपुर)** में एक कृषि IoT डिवाइस स्थापित की गई है, ताकि वास्तविक समय डेटा हस्तांतरण और मौसम, पौधों के स्वास्थ्य और मिट्टी की नमी, सिंचाई की आवश्यकता आदि जैसी सलाहकार सेवाओं की प्रभावशीलता का आकलन किया जा सके।

प्रसार गतिविधियाँ

वैज्ञानिक उत्कृष्टता

➢ **डॉ. शिवेश्वर प्रताप सिंह, सह प्राध्यापक, मृदा विज्ञान,कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा** ने दिनाँक 22 मई, 2024 को पटना, बिहार में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता द्वारा आयोजित 'मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन' पर एक दिवसीय कार्यशाला में "जिंक : एसेंशियल फॉर स्वाइल हेल्थ" विषय पर एक आमंत्रित पेपर प्रस्तुत किया।

➢ **डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल (सहायक प्राध्यापक सह वैज्ञानिक, कृषि प्रसार शिक्षा)** को राष्ट्रीय कृषि प्रसार प्रबंधन केंद्र (मैनेज), हैदराबाद, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कृषि प्रसार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा- व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम पीजीडीएईएम-एमओओसी के असाइनमेंट मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ के रूप में कार्य करने के लिए आमंत्रित किया गया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

➢ **विश्वविद्यालय पुस्तकालय** ने दिनांक 8 से 24 मई, 2024 के दौरान संकायों और शोध विद्वानों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में "रिसर्च मैट्रिक्स एंड विजिबिलिटी और "ऑथर प्रोफाइल रजिस्ट्रेशन " पर दो घंटे की संवेदीकरण कार्यशाला के 9 सत्र आयोजित किए। कार्यशाला, "लेखक प्रोफाइल और वैज्ञानिक दृश्यता" पर केंद्रित थी, जिसका उद्देश्य लेखक पहचानकर्ताओं की समझ को बढ़ाना और विभिन्न शोध डेटाबेस के माध्यम से साइंटिफिक विजिबिलिटी बढ़ाना था। संकाय सदस्यों (177) की सक्रिय भागीदारी और उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया ने इस पहल की सफलता को रेखांकित किया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने दिनांक 27.05.2024 को बोचहा ब्लॉक के सलहा गांव में प्रति इकाई क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए ऑफ-सीजन सब्जी की खेती पर फील्ड विजिट सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया** और दिनांक 30.05.2024 को जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम द्वारा गोद लिए गए गांव पटसारा में हाइब्रिड मक्का किस्म शक्तिमान 5 पर उन्नत मक्का कंबाइन हार्वेस्टर का उपयोग करके फील्ड डे सह फसल कटाई कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 53 किसानों ने भाग लिया। इसी तरह, दिनांक 17.05.2024 को कृषि विज्ञान केंद्र, परिसर में आयोजित पोषण महा अभियान पर किसान दिवस सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 78 महिला किसानों ने शिरकत।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज** ने दिनांक 30.05.2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के बाजरा और मूल्य श्रृंखला उत्कृष्टता केंद्र के सहयोग से ग्रीष्मकालीन बाजरा उत्पादन पर एक प्रक्षेत्र दिवस सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ आर पी सिंह, केंद्र प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज; डॉ कौशल किशोर, सहायक प्राध्यापक, कृषि विज्ञान, और श्री जी एस गिरी, सहायक प्राध्यापक, कीट विज्ञान, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा ने 42 किसानों को बाजरा के पोषण संबंधी लाभों, पैकेज और बाजरा उत्पादन के तरीकों के महत्व पर प्रकाश डाला। कुल मिलाकर, बाजरा कैफेटेरिया सह मूल्यांकन परीक्षण में 36 विभिन्न बाजरा किस्मों का प्रदर्शन किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज** ने कुल 21 प्रतिभागियों के साथ मवेशी उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां किसानों के साथ मवेशी उत्पादन, नस्लों, पोषण, रोग प्रबंधन (रोकथाम, उपचार और नियंत्रण), आवास, परियोजना निर्माण और राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के महत्व पर चर्चा की गई । इसी तरह विभिन्न गांवों में 121 प्रतिभागी किसानों के लिए चार प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया । इन कार्यक्रमों में किसानों के साथ लीची और पपीता के रोगों के लक्षणों और कारणों की पहचान पर चर्चा की गई और एकीकृत प्रबंधन प्रणालियों पर आधारित जानकारियों को किसानों तक पहुंचाया गया। मई 2024 के महीने में कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज द्वारा इसी तरह विभिन्न

विषयों जैसे ड्रम सीडर के माध्यम से धान की सीधी बुवाई, लेजर लैंड लेवलर का संचालन और उसके रखरखाव पर 207 किसानों को प्रशिक्षित किया गया है।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी ने तुरकौलिया प्रखंड के नया टोला गांव में कृषि मशीनरी और उपकरणों की देखभाल और रखरखाव पर एक दिवसीय ऑफ कैंपस प्रशिक्षण का आयोजन किया,** जिसमे 18 किसानों ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया। उन्होंने गांव अमवा प्रखंड-पहाड़पुर में "आम में लाल पट्टीदार कैटरपिलर के लिए प्रबंधन प्रणालियों के मुल्यांकन" शीर्षक से ऑन फार्म ट्रायल (ओएफटी) भी आयोजित किया। कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में "गाय पालन और प्रबंधन" पर तीन दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम, सुगौली प्रखंड के बहुअरवा गांव में किसानों के खेतों में गन्ने की फसल के लिए एग्री-ड्रोन का उपयोग करके कीट प्रबंधन के लिए कृषि रसायनों के छिड़काव का प्रदर्शन किया, मई 2024 के महीने में रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के बाजरा और मूल्य श्रृंखला उत्कृष्टता केंद्र के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी फार्म में फ्रंट लाइन डेमोनेस्ट्रेशन के तहत बाजरा पर संयुक्त रूप से प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

डॉ. यू.पी. सिंह

अधिष्ठाता, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने दिनांक 02-05-2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. विनोद कुमार

पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, सस्य विज्ञान विभाग, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा ने दिनांक 06-07, मई, 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. इंदु शेखर सिंह

प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, मखाना अनुसंधान केंद्र, दरभंगा ने दिनांक 06-07, मई, 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. यू.डी. सिंह

पूर्व प्रधान वैज्ञानिक (पादप- रोगविज्ञान), भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.अनु. स., नई दिल्ली ने दिनांक 06-07, मई, 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. एम.डी. मोनोब्रुल्लाह

प्रधान वैज्ञानिक (कृषि कीट विज्ञान), भा.कृ.अनु.प- अटारी, पटना ने दिनांक 06-07, मई, 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. विकास दास

निदेशक, भा.कृ.अनु.स. -राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर ने दिनांक 06-07, मई, 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. वेद प्रकाश सैनी

अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, (बासू), किशनगंज बिहार ने दिनांक 06-07, मई, 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. एन.के. कृष्णकुमार

पूर्व उप महानिदेशक (बागवानी), भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली ने दिनांक 30-05-2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

डॉ. पी.के. राय

पूर्व प्राध्यापक (बागवानी), राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने 30-05-2024 रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार का भ्रमण किया।

सेवानिवृति समारोह

➢ दिनांक 31 मई, 2024 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारी का विदाई समारोह माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया।

1. डॉ. मुकेश कुमार
   प्राध्यापक, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा

2. श्री राजू पंडित
   कुशल सहायक कर्मचारी, कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पूसा

संपादक - मंडल

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहेरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहयोग:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in